भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश

डॉ० उदिता त्यागी

क्षेत्रीय संयोजक स्वच्छता अभियान प्रकल्प भा०जा०पा० पश्चिम उ०प्र०
Social Worker
Mrs. India Worldwide 2011
President Rotary Club TEJASVI
Ex-Director, RCVG Institute of Technology
National President, My Clean India
Brand Ambassador, My Clean India
Founder Chairperson, csDishaa Foundation
UP co-ordinator - HOWFoundation
(An Anurag Singh Thakur Initiative)
Member, Advisory Committee, Postoffice Hindi Salakar Samiti
Coordinator, Vidhyotma Vichar Manch, Prerna Sodh Sansthan

डॉ0 उदिता त्यागी परिचय

उदिता त्यागी का जन्म उत्तर प्रदेश के गढ़मुक्तेश्वर जिले में एक शिक्षक परिवार में हुआ था। पिता एम सी त्यागी एक विद्यालय में प्रिंसीपल थे तो वहीं मां हरिजन बस्ती में अपना एक विद्यालय चलाती थीं। पिता के प्रिंसीपल होने के कारण उदिता त्यागी में बचपन से ही शिक्षा तथा समाज के प्रति संवेदना थी। छोटे शहर में रहने के कारण उदिता ने समाज के उस वर्ग की परेशानियों को बहुत ही नजदीक से देखा जहां पर लोगों की नजर बहुत कम जाती है। उदिता बचपन से ही लोगों के दर्द से द्रवित हो जाया करती थीं। बचपन के कई किस्सों में उनकी परिपक्व समझ नजर आती है।

शिक्षक के परिवार में पालन पोषण होने के कारण उदिता में कई मूल्यों का संचार भी हो रहा था। इन्ही मूल्यों का प्रभाव था कि उदिता का रूझान आरंभ से कुछ ऐसा करने के प्रति लालायित रहा जिससे वह समाज के प्रति कुछ सार्थक कर पाएं। कुशाग्र बुद्धि की स्वामिनी उदिता ने अपनी शिक्षा के लिए विज्ञान के क्षेत्र को चुना तथा अपने शहर से बीएससी तथा एमएससी की उपाधि ली।

तमाम भारतीय लड़कियों की ही तरह उदिता को भी जल्द ही परिणयसूत्र में बंधना पड़ा तथा उनका विवाह गाजियाबाद के आर्कीटेक्ट योगेश त्यागी के साथ वर्ष 1999 में हुआ। जहां एक तरफ यह अवधारणा है कि लड़कियों की जिंदगी का सफर शादी के बाद रूक जाता है वही उदिता के मामले में यह एकदम विपरीत साबित हुआ। उदिता की जिंदगी का सफर शादी के बाद और भी तेजी से बढ़ा तथा उन्होनें समाज में शिक्षा का प्रचार करने के अपने सपने को पूरा करने के लिए बीएड किया व स्कूल मे पढ़ाना शुरू किया। पढ़ाते पढ़ाते ही उन्होनें वर्ष 2009 में केमिस्ट्री में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की।

पर उदिता के मन में बहुत कुछ करने की ललक थी और यह ललक उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही थीं। उनके पास सब कुछ था जो कि एक सुविधाजनक जीवन जीने के लिए पर्याप्त था जैसे एक अच्छी डिग्री अच्छी नौकरी और एक परिवार। पर समाज के लिए एक प्रेरणा बनने का सपना लिए उदिता का मन बेचैन था। वर्ष 2011 में उन्होनें मिसेज इंडिया वर्ल्ड वाइड फर्स्ट रनर अप का खिताब अपने नाम किया तथा अमेरिका मे अटलांटा शहर में 25 मई 2012 को आयोजित मिसेज इंडिया इंटरनेश्नल में मिसेज कंजेनियलिटी का खिताब अपने नाम किया और अपने दोनो बच्चों सृजन व सक्षम के साथ पूरे समाज व परिवार को गर्व करने का एक और मौका दिया।

हालांकि उपलब्धियों में मील का पत्थर हासिल करने के बाद भी उदिता चैन से नहीं बैठीं। एक शिक्षक होने के नाते उन्होने जो काम किया था उनसे उन्हें शिक्षा तथा समाज के प्रति समस्याओं की समझ उत्पन्न हुई। उदिता में जमीनी मुद्दो को समझने की समझ है यही कारण है कि वह इन समस्याओ को सिर उठाते देखकर चुप नही रह सकीं। हमेशा ही समाज को सर्वप्रथम रखने वाली उदिता का मन इन सभी समस्याओं को देखकर बहुत ही विचलित होता रहता था। उन्होनें इन समस्याओं की चुनौतियों के आगे घुटने टेकने के स्थान पर इनसे दो दो हाथ करने का प्रण लिया। तथा एक गैर सरकारी संगठन सीएस दिशा की नींव डाली।

वर्ष 2009 में स्थापित इस गैर सरकारी संगठन का उद्देश्य है आने वाली पीढ़ियो के लिए एक सुरक्षित तथा साफ कल बनाना। इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि हममें कहीं न कहीं सामाजिक चेतना की कमी के कारण सामाजिक बोध नहीं हैं। इसी सामाजिक बोध की कमी के चलते न केवल समाज मे कई बीमारियां फैल रहीं हैं क्योंकि सफाई जैसी मूलभूत आदतों की कहीं न कहीं कमी है। परंतु उदिता ने केवल समस्याओं पर ध्यान न देकर समस्याओं के हल पर बात की और उनके फॉउंडेशन ने सफाई के लिए प्रेरित करने के लिए एक अभियान हाथ में लिया। उदिता त्यागी ने माई क्लीन इंडिया अभियान के माध्यम से 35 शहरों में सफाई के लिए जागरूकता पैदा की। और देखते ही देखते यह स्वतः स्फूर्त जन आंदोलन में बदल गया। इस अभियान में एक नया मोड़ तब आया जब डॉ उदिता त्यागी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा चाय पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया। श्री नरेन्द्र मोदी इस अभियान से बहुत ही प्रभावित थे।

माई क्लीन इंडिया की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इसने 2014 मे सरकार को स्वच्छता अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया व 2 अक्टूबर 2014 को उन्होनें स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की। सीएस दिशा सफाई अभियान के साथ साथ सॉलिड अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में भी काम कर रहा है। उदिता का यह कार्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज लोगों को औद्योगिक खतरनाक खतरों के बारे में पता नहीं है। लोगों को जीवनशैली के बढ़ते खतरों तथा आर्थिक्र विकास के कारण होने वाले खतरों के बारे में उदिता जागरूक करती रहती हैं।

सीएस दिशा के माध्यम से उदिता व्यावसायिक शिक्षा की तरफ भी ध्यान दे रही हैं। उदिता इस बात को मानती हैं कि यदि महिला सशक्तिकरण की बात करनी है तो वह केवल कुछ लोगों का नाम लेकर ही पूरी नहीं हो सकती है क्योंकि महिलाओं का सशक्तिकरण महज एक वर्ग तक ही सीमित नहीं है बल्कि हर महिला कुछ न कुछ कर ही रही है। यही कारण है कि उदिता समाज के हर वर्ग की महिला को सशक्त बनाना चाहती हैं व उनके लिए छोटे छोटे पेशो के लिए भी पेशेवर शिक्षा प्रदान करना चाहती हैं। इसके साथ ही उदिता बच्चों मे भी सफाई अभियान को प्रेरित करने के लिए तरह तरह के अभियान चलाती हैं जैसे कि पेड़ लगाना सफाई रखना आदि। उदिता का मानना है कि सफाई जैसी आदतो का विकास बच्चो में बचपन से ही होना चाहिए तथा सीएस दिशा के माध्यम से इन गतिविधियों को करने के लिए उदिता संसाधन भी प्रदान करती हैं।

सीएस दिशा के माध्यम से उदिता का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है युवाओं का सशक्तिकरण। महज नौकरी मिलना ही सशक्तिकरण का प्रतीक नहीं माना जा सकता है। उदिता युवाओं में वह शक्ति देना चाहती हैं जिससे युवा अपने मन का कार्य कर सकें। वह युवाओं को हर मुद्दे पर जागरूक बनाना चाहती हैं वह स्वामी विवेकानन्द के इस सिद्धांत को पूरी तरह से अमल में लाती दिखती हैं जिसमें वह युवा शक्ति को देश के निर्माण के लिए सबसे आवश्यक तत्व बताते हैं।

समाजसेवी के रूप में उदिता

एक शिक्षिका के रूप में उदिता का संपर्क कई विद्यार्थियों से हुआ,कई क्षेत्रों के लोगों से हुआ, तथा एक सजग शिक्षिका होने के नाते उदिता का कार्य महज विद्यार्थियों को शिक्षा देने तक ही सीमित न होकर उससे कहीं आगे था। समाज की कई कुरीतियों को देखकर उदिता का संवेदनशील मन बहुत ही दुखी होता था, दुखी से अधिक उनके मन में उद्विग्नता थी। उनके मन में बदलाव को लेकर बेचैनी थी। रसायन शास्त्र की शिक्षिका तथा उसी में शोध के कारण उदिता को रसायनों के कारण होने वाले बदलावों व उसके बाल व किशोर मन पर प्रभाव के बारे में पता था। उदिता का मन कुछ नया करने के लिए ललचा उठा। उदिता को लगा कि कुछ तो ऐसा किया जाए जो इन बच्चों को औपचारिक शिक्षा से कुछ अलग करने के लिए प्रेरित कर सके। इसी तरह बेचैनी बढ़ती गई और समाज के लिए कुछ न कुछ करने की ललक भी।

इसके साथ ही उदिता जब देखती थीं कि कैसे बच्चे पढ़ना कुछ और चाहते हैं और दबावों के कारण कुछ और पढ़ते हैं, बनना कुछ और चाहते हैं मगर समाज के दबाव व उस क्षेत्र में अवसरों की कमी के कारण बन कुछ और जाते हैं, तो वह इस शिक्षा से और भी निराश होती थीं। उदिता की चाह थी कि बच्चा जो चाहता है वह पढ़े, वह बने उदिता ने उन बच्चों के लिए कुछ नया करने का बीड़ा उठाया। और इस प्रकार उदिता का एक समाजसेवी का सफर शुरू हुआ।

उदिता ने वर्ष 2007 में सीएसदिशा की स्थापना की। जिसका मुख्य उद्देश्य था युवाओं को सशक्त करना। सीएस दिशा युवाओं को उनकी मंजिल तक ले जाने की एक दिशा थी। युवाओं को यह महसूस कराने का तरीका था कि आखिर उनकी मंजिल क्या है और उन्हें अपने जीवन से क्या चाहिए। उदिता ने यह महसूस किया था कि अधकचरी शिक्षा के चलते यहां के युवा अपने काम व सैलेरी से खुश नहीं रह पाते हैं और यह सिलसिला पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहता है। इसके लिए उन्होंनें "बी व्हाट यू वांट" कार्यक्रम्र सीएसदिशा के बैनर तले शुरू किया। इस प्रोजेक्ट में बच्चों को यह अहसास करने में मदद की जाती थी कि आखिर वह अपनी जिंदगी से क्या चाहते हैं, वह किस क्षेत्र में पढ़ाई करना चाहते हैं, वह किस क्षेत्र में जाना चाहते हैं, और उनकी मंजिल क्या है! इस प्रोजेक्ट में वह जो करना चाहते थे उन्हें वह महसूस कराया गया।

मगर उदिता अपने इस उद्देश्य को और भी शिखर तक ले जाना चाहती थीं। और उन्हें पता था कि यदि आप समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको सबसे पहले खुद एक उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। इसलिए उन्होंनें सौंदर्य प्रतियोगिता में भाग लिया। हालांकि एक शादीशुदा महिला होने के नाते उनके लिए यह बिलकुल भी आसान नहीं था पर फिर भी मिसेज इंडिया 2011में उन्होंनें कई खिताब अपने नाम किए व एक संदेश दिया कि अपने सपनों को हर कीमत पर हासिल किया जाए।

भारत वापस आकर एक बार फिर से वह अपने सपनों को पूरा करने में जुट गईं। वह अपने देश की समस्याओं को हल करना चाहती हैं,पर खुद कुछ काम करके अपने सपने पूरा करने वाली उदिता ने आराम को लक्ष्य नही बनाया। उन्होंनें सीएसदिशा के माध्यम से युवाओं को प्रेरित किया कि सशक्त होकर वह न केवल अपनी जिंदगी में बदलाव ला सकते हैं बल्कि वह पूरे समाज में भी बदलाव ला सकते हैं। उदिता ने इस मंच को देश में संवाद का एक मंच बनाया जिस पर उद्योग जगत से लेकर, शिक्षाविद, नागरिक समाज तथा सरकार के प्रतिनिधि अपनी बात रख सकते थे। और इसका मुख्य उद्देश्य रखा युवाओं का सशक्तिकरण।

व्यक्तित्व का विकास भी है जरूरी

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए दिए टिप्स

तनावमुक्त रहने के उपायों पर रहा जोर

रोटरी क्लब करेगा बच्चों का मार्गदर्शन

साइकोलॉजी की क्लास में दी गई कॅरियर को दिशा

'दिशा' ने छात्रों को दिए कॅरियर टिप्स

कॅरियर शेपर्स ने किया विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

बच्चों को मोटिवेट करना सिखाया गया

गाजियाबाद। विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को बेहतर काउंसिलिंग को मोटिवेशन देने के लिए एनसीआर के प्रधानाचार्यों को एक मंच पर बुलाया गया। आईएमए भवन राजनगर में आयोजित इस प्रिंसिपल मीट का आयोजन सीएस दिशा और रोटरी क्लब ने मिलकर किया। इस कार्यक्रम को फ्रेमबाक्स में स्पांसर किया। सीएस दिशा फाउंडेशन की अध्यक्ष उदिता त्यागी ने बताया कि इस मीट में करीब सत्तर स्कूलों के प्रिंसिपल ने प्रतिभाग किया। सीएस दिशा कोर टीम मेंबर अनिल सेठी ने प्रधानाचार्यों को मोटिवेशन तकनीकी से अवगत कराया ताकि वे स्टूडेंट्स को मोटिवेट कर सकें। फोर्टिस हास्पिटल की साइकोलाजिस्ट डा. सुरभि ने भी की महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उदिता त्यागी ने बताया कि इस दौरान कई साइकोलाजिस्ट, कैरियर काउंसलर्स और मोटिवेटर विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया था। ओएन ठाकुर, एनसी पांडेय, राजीव गर्ग सहित अन्य मौजूद रहे।

उदिता ने अपने अनुभव, सौंदर्य प्रतियोगिता के दौरान प्राप्त अनुभव तथा इस दौरान भारत व विदेशों में अपनी यात्रा के अनुभव के साथ ही कई प्रकार के जमीनी स्तर के शोध भी किए गए। इन शोधों का मुख्य उद्देश्य उदिता के अनुसार उन अंतरों का पता लगाना था जो समाज के विभिन्न वर्गों के बीच हैं। इन शोधों के आधार पर ही कई प्रकार के कई कार्यक्रमों का आरंभ किया गया। यही कारण था कि पूरे देश भर में इन कार्यक्रमों का जीखोल कर स्वागत हुआ तथा उदिता की पहचान में और इजाफा हुआ।

वर्ष 2011 में डा0उदिता त्यागी को माई क्लीन इंडिया का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। यह अभियान श्री रेमेको वैन सेटन ने आरंभ किया था। देश को बदलने का जुनून लिए उदिता ने अपनी कड़ी मेहनत के बल पर 35 मुख्य शहरो में इस अभियान को पहुंचाया। सफाई को समर्पित उदिता ने अपने साथ इस प्रोजेक्ट में 10 लाख से ज्यादा बच्चों को जोड़ा। 2011 से ही उदिता के कुशल नेतृत्व में माई क्लीन इंडिया में भारत को स्वच्छ रखने जैसा काम किया जा रहा है, जिसका एक ही उद्देश्य है समुदाय के माध्यम से सम्पन्नता व सुंदरता लाना। माई क्लीन इंडिया के माध्यम से उदिता न केवल युवाओं को बल्कि स्कूल, संस्थानों, व्यापारिक संगठनों, स्थानीय व राज्य सरकारों को साथ ला रही हैं।

वर्ष 2014 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर भाजपा के प्रधानमंत्री पद के दावेदार तथा वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उदिता को आमंत्रित किया तथा उन्हें उदिता के द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान की जानकारी मिली। और यही क्षण आने वाली सरकार के स्वच्छता अभियान की शुरूआत थी।

माई क्लीन इंडिया अभियान का सबसे महत्वपूर्ण व आनंददायक क्षण था देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों को दीवारों पर उकेरना। आजादी की सबसे पहली जंग को खूबसूरत रंगों में गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर उदिता ने इस तरह उकेरा कि वहां से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की आंखों में गर्व की भावना पैदा हो जाती है। उसके रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

उदिता शांत बैठने वालों में से नहीं हैं। उनके पास योजनाएं हैं, उनके पास एक विजन है और यही कारण है कि आज उदिता के पास एक समाजसेवी के रूप में उपलब्धियों का खजाना है जैसे सीबीएसई के पाठ्यक्रम में कैरियर काउंसलिंग को सम्मिलित करना 124 गांवों में निजी स्कूलों को शुरू करना व लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोजेक्ट कलियां।

उदिता ने माई क्लीन इंडिया के माध्यम से हर तरह की सफाई की बीड़ा उठाया है व समाजसेवी के रूप में उनका सफर आज कई परियोजनाओं के माध्यम से जारी है।

महिला सशक्तीकरण अवधारणा

वह महिला सशक्तीकरण के लिए काम कर रही है, चाहे वह महिला सुरक्षा से संबंधित हो या उनके आर्थिक स्थिरता, लैंगिक भेदभाव, क्रूर सामूहिक बलात्कार, महिलाओं के खिलाफ हिंसा या उत्पीड़न। शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और स्वास्थ्य और सुरक्षा ऐसे क्षेत्र हैं, जहां घ्यान दिए जाने की जरूरत है, लेकिन इन सबसे बढ़कर जागरूकता है। महिला सशक्तीकरण वास्तव में क्या है, इसे समझने के लिए देश में लोगों की सोच में एक बढ़ा परिवर्तन होना चाहिए। केवल महिलाओं को ही नहीं, बल्कि पुरुषों को एक ऐसी दुनिया में जागना होगा जो समानता और समरसता की ओर बढ़े। एक स्वस्थ और सशक्त समाज के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक हैं।

ब्यूटी क्वीन

एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में, उन्हें माता–पिता, स्कूल के शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और समाज के अन्य क्षेत्रों में बहुत संघर्ष का सामना करना पड़ा। जैसा कि उन्होनें लोगों के दिमाग को समझा, उन्होनें महसूस किया कि लोग इस बात पर ध्यान देते हैं कि सेलिब्रिटीज क्या कहते हैं। सामाजिक कार्य को पूरा करने के लिए सीमित संसाधनों के साथ, एक दिन उसने एक सेलिब्रिटी बनने का फैसला किया और वह थी ब्यूटी क्वीन बनने की यात्रा की शुरुआत।

वर्ष 2010, दो बच्चों के साथ, और अत्यधिक वजन के कारण किसी भी सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए पात्र नहीं थी। लेकिन एक बार दृढ़ निश्चय करने के बाद, उन्होंने दो महीने के छोटे समय में 22 किलोग्राम वजन कम किया और वह मिसेज इंडिया ग्लैडरैग्स 2010 के लिए पात्र थीं। उन्होंने आवेदन किया और शीर्ष 16 में पहुंच गईं, जहां उन्हें फाइनल के लिए लगभग 2 महीने तक प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी स्लॉट, एक रियलिटी शो के रूप में, लेकिन आगे संघर्ष बहुत अधिक था। चिकनगुनिया के कारण उसे दो सप्ताह के भीतर अंतिम दौर से बाहर होना पड़ा।

वर्ष 2011 में, उन्होंने मिसेज इंडिया वर्ल्डवाइड में भाग लिया और प्रथम रनर अप का खिताब अपने नाम किया। उसने अपना सामाजिक कार्य जारी रखा। वर्ष 2012 में, उन्होंने अटलांटा में मिसेज इंडिया इंटरनेशनल 2012 में भाग लेने का निमंत्रण प्राप्त किया और दुनिया भर में भारत की मूल की सुंदर और बुद्धिमान महिलाओं के साथ प्रतिस्पर्धा की। उन्होंने पेजेंट के लिए प्रोजेक्ट के रूप में माई क्लीन इंडिया चुना। उसने विवादास्पद निर्णय में 25 मई 2012 को अटलांटा में द्वितीय रनर–अप और मिसेज कांजेनियलिटी का खिताब जीता।

दोनों खिताबों ने उन्हें यूथ आइकन के रूप में पहचाने जाने में मदद की और उन्हें युवाओं से मिलने और प्रेरित करने का मौका मिला। सितंबर 2012 में, उसने भारत के विभिन्न हिस्सों में इसे फैलाने के लिए माई क्लीन इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष की बहुत बड़ी चुनौती स्वीकार कर ली। आज यह परियोजना भारत के लगभग 35 शहरों में चल रही है और युवाओं को वास्तव में प्रेरणा मिलती है जब वह उनसे बात करती है।

माई क्लीन इण्डिया की यात्रा

दुनिया में सारी चीजें उम्मीद से चलती हैं, जिस व्यक्ति के जीवन से उम्मीदें चली जाती हैं उस व्यक्ति के जीवन से सब कुछ चला जाता हैं। यहीं सोचना हैं उदिता का, कहते हैं कि राजनीति में व्यक्ति कुछ लाभ के लिए कदम रखता हैं, इस विषय में उदिता का स्पष्ट मानना हैं कि वह राजनीति में कुछ करने आई हैं और वह भी एक स्वप्न और उद्देश्य के अन्तर्गत। उनका कहना हैं कि यह तो मानना ही होगा कि 2013 तक आते–आते हम एक ऐसे माहौल को देख रहे थे जहां पर भष्टाचार ही भष्टाचार था। लोगों का काम करने का मन नहीं होता था। हर छोटे से छोटे कामों के लिए लोगों को घंटों घंटों बैठ कर रिश्वत देकर काम कराना पड़ता था पर अब ऐसा नहीं हैं। उदिता को यह लगता है कि यदि आपको समाज में बदलाव लाना हैं तो आपको खुद को बदलना होगा। सफाई के प्रति समर्पित उदिता इस बदलाव का हिस्सा बनकर स्वच्छता आंदोलन को देश के कोने कोने में पहुंचाना चाहती हैं। उदिता त्यागी का अपने अनुभवों के आधार पर यह कहना हैं कि युवा महिलाओं व सफाई को लेकर एक स्वप्न हैं, एक विजन हैं और इस बात की पूरी उम्मीद हैं कि एक न एक दिन अवश्य ही राजनीतिक विरोध बंद होंगे व इस सरकार द्वारा आरंभ किए गए जनांदोलनों में हर वर्ग की सहभ‍ागिता होगी।

सपने हर इंसान को देखने चाहिए क्योंकि यदि सपने न हों तो आप एक कदम भी नहीं चल सकते और एक सपना पूरे देशवासियो ने देखा, कि 2013 की महा भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकना है और मोदी को लाना है। माननीय श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं को आवाज दी। उन्होनें करोड़ों देशवासियों के अन्दर यह सपना जगाया कि हम सबके सपने उनके पास सुरक्षित हैं। इसी भरोसे के बल पर उन्होनें श्री नरेन्द्र मोदी को बहुमत दिया। श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी जनता के इस विश्वास को आर्शीवाद समझते हुए हर क्षण कार्य किया। नेतृत्व यदि कुशल हो तो जनता स्वयं ही अपना मार्ग चुन लेती है। ऐसा ही श्री मोदी जी की की सरकार में हुआ, उदिता का मानना है कि सरकार के बदलते ही किस प्रकार स्वच्छता आंन्दोलन एक जनांदोलन बन गया। उदिता राजनीति मे श्री नरेन्द्र मोदी से सबसे अधिक प्रभावित हैं। इसे पीछे का कारण कहीं न कहीं सरकार के बदलते ही स्वच्छता आंदोलन का जन आंदोलन बन जाना हैं। उदिता ने चूंकि अपनी यात्रा एक समाजिक कार्य से आरंभ की थी, परन्तु उनके इस सामाजिक आंदोलन में शासन से सहयोग नहीं प्राप्त हो रहा था। वह जहां–जहां जाती, उन्हे प्रतीक्षा के सिवा कुछ न मिलता। अतः उनका भरोसा व्यवस्था से टूटने लगा। एसे में उन्होनें भी मोदी जी से प्रभावित होकर आगे बढ़ने का विचार किया। वह कहती हैं कि जिस प्रकार मोदी जी को उन दिनों समर्थन मिल रहा था, उसने उन्हें राजनीति की तरफ प्रेरित किया।

और जैसा उनके जीवन का दर्शन है कि जिस व्यक्ति के जीवन से उम्मीद चली जाती हैं वह एकदम बेकार हो जाता हैं, अतः व्यक्ति के जीवन में उम्मीद बनी रहनी चाहिए। उम्मीदों के रथ पर सवार होकर आए नरेन्द्र मोदी ने राजनीति की दिशा और दशा दोनो ही बदल दीं। उन्होनें देश के माहौल में निराशा को समाप्त किया, यही समय था जब उदिता पार्टी के अभियान से जुड़ी क्योंकि उदिता में भी समाज में बदलाव लाने की उत्कर्ष्ट इच्छा थी।

My Clean Merrut

My Clean Aligarh

My Clean Lucknow

My Clean Agra

My Clean Kanpur

My Clean Nainital

My Clean Aligarh

Cleaniness Drive, Didiwana

My Clean Muzaffarnagar

My Clean Muzaffarnagar

'स्वच्छता संस्कृति से जोड़ें'

शंखनाद

रामगंगा आह्लादित

My Clean India Rally, Block Rajapur, Ghaziabad

साहिल पर पहुंचा कारवां

बच्चों ने भी लिया दृढ़ संकल्प

My Clean Kanpur

My Clean Ramganga Moradabad

हरे भरे मुरादाबाद के लिए रोपे पौधे

My Clean Didiwana, Rajasthan

'' भाजपा हीं क्यों '' के विषय में उदिता का स्पष्ट मानना हैं कि भाजपा ही एक मात्र ऐसी पार्टी हैं जहां पर ऐसी महिलाएं भी अपना स्थान बना सकती हैं, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं हैं। पार्टी के साथऔपचारिक रूप से जुड़ने से पहले भी उदिता ने पार्टी के लिए कई काम किये और इसी सिलसिले में वह अनुराग ठाकुर से मिलीं। उदिता अनुराग ठाकुर से भी बहुत प्रभावित हैं, राजनीति में आने के लिए यहीं दो व्यक्ति सबसे बड़े कारक रहे, जिन्होंने उदिता के मन में यह विश्वास जगाया कि आम महिला भी पार्टी में आ सकती हैं। वंशवाद, परिवारवाद से इतर भाजपा नें योग्यता को अपनाया हैं। प्रशांत किशोर के साथ जुड़कर काम करने का अनुभव भी उनके लिए एक प्रंरक तत्व रहा, जिसने राजनीति की बारिकियों को उन्हें समझाया। पॉलिटिकल कंसल्टेन्सी के कई पाठ्यक्रम भी उदिता ने पूरे किये, उन्होंने पढ़ाई की।

वर्ष 2014 में सरकार बदलने के बाद गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के सौन्दर्यीकरण के प्रोजेक्ट ने उदिता की पहचान को नए आयाम दिये और यह भरोसा जगाया कि हां देश बदल सकता है और बदलेगा। चूंकि राजनीति में आने का उद्देश्य उदिता का मात्र देश के प्रति सेवा भाव था तो उन्होनें भी इसी प्रोजेक्ट के माध्यम से अपने सपने को पूरा करना चाहा। उदिता साफ कहती है कि यदि राजनीति में आने का आपका उद्देश्य देश व मानव सेवा नहीं हैं जो कृपया राजनीति में न आएं। राजनीति में लोकप्रिय होना, सफल होना तथा दिल में होना तीनों अलग–अलग बातें हैं। अच्छे नेता लोकप्रिय व जनता के दिल में होते हैं। तो राजनीति में उदिता सफल होने के साथ–साथ ऐसी सफलता प्राप्त करने आई हैं, जिसका रास्ता जनता के दिल से होकर गुजरता हैं।

इसके साथ ही उदिता का यह भी सपना है कि हर कैबिनेट में स्वच्छता का मंत्रालय होना चाहिए क्योंकि सफाई के क्षेत्र में हम नए और इन्नोवेटिव तरीके से काम कर सकते हैं।

क्लीन इंड़िया का एक चरण हम पूरा कर चुके हैं, अब समय हैं दूसरे चरण में प्रवेश करने का, ऐसा कहते हुए उदिता पूरी तरह से अपने उद्देश्य का खाका खींचती हैं। वह चाहती हैं कि नालों पर बात हो, सीवेज प्लांट पर बात हो,कचड़ा ड़ेपिंग ग्राउंड पर बात हो। सफाई पर बात हो कि कैसे सड़के साफ हो, टांयलेट साफ हो, कैसे स्कूलों का प्रोटोकांल हो, यह सब एक अलग मंत्रालय में हो, उदिता का सपना है कि नई पीढ़ी सफाई पर बात करें, जागरूकता को पढाई के स्तर पर लागू किया जाए। राजनीति उदिता के लिए एक बदलाव का माध्यम हैं।

My Clean Railway Station

Complete Arches

Complete FOB

We are thankful to the Media

1857 क्रांति की याद दिलाएगा गाजियाबाद स्टेशन

शहीदों की गाथाएं याद दिलाएगा रेलवे स्टेशन

रेलवे स्टेशन पर दिखेगी 1857 क्रांति की गाथा

रेलवे स्टेशन पर दिखेगी 1857 की क्रांति की झलक

चित्रों में उकेरी जा रही 1857 की क्रांति

दिखाई प्रतिभा

स्टेशन पर दिखेगी 1857 की क्रांति

आम लोगों ने भी स्टेशन पर की पेंटिंग

रेलवे स्टेशन बनेगा 'म्यूजियम'

www.jagran.com

After 160 years down memory lane on Ghaziabad station's wall

From Ghaziabad railway station, you can now travel back to 1857

Hindan Elevated Road Beautification Project

जी.डी.ए. वी.सी. श्रीमति रितु माहेश्वरी के निर्देशानुसार सी. एस. दिशा फॉउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षा डा० उदिता त्यागी के नेतृत्व में हिण्डन ऐलिवेटिड रोड के दोनो ओर २०.६ किलो मीटर पेंटिग विभिन्न स्कूलों के बच्चों, आर्ट स्टूडेन्ट और प्रोफ़ैशनल के द्वारा की गई यह कार्य रिकार्ड ४० दिनों में पूरा किया गया।

जिसके लिये माननीय मुख्यमंत्री जी ने डा० उदिता त्यागी को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित भी किया।

My Clean Collectorate Campus

जी.डी.ए. वी.सी. श्रीमति रितु माहेश्वरी के निर्देशानुसार सी. एस. दिशा फॉउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षा डा0 उदिता त्यागी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट कैंपस गाजियाबाद में बेटी बचाओ बेटी पढाओ, योगासन, स्वच्छ भारत अभियान की थीम पेंटिग के द्वारा कलेक्ट्रेट कैंपस की गन्दी दीवारों को साफ करके सजाया गया।

यह कार्य सी. एस. दिशा फॉउंडेशन के द्वारा निशुल्क किया गया। जिसके लिये पेंट जिला प्रशासन के द्वारा उपलब्ध कराया गया।

Beautification of GDA Flyover

जी.डी.ए. वी.सी. श्रीमति रितु माहेश्वरी के निर्देशानुसार सी. एस. दिशा फॉउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षा डा0 उदिता त्यागी के नेतृत्व में जी.डी.ए. फ्लाई ओवर की दीवार पर योगासन, अमूर्त चित्रकारी एवं सप्तचक्र की थीम पेंटिग के द्वारा जी.डी.ए. फ्लाई ओवर की गन्दी दीवारों को साफ करके सजाया गया।

यह कार्य सी. एस. दिशा फॉउंडेशन के द्वारा निशुल्क किया गया।

My Clean Bus Station

माननीय परिवहन मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह जी के निर्देशानुसार सी. एस. दिशा फॉउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षा डा0 उदिता त्यागी के नेतृत्व में पुराना बस स्टेशन गाजियाबाद में पर्यावरण बचाओ प्रदूषण हटाओ की थीम पेंटिग के द्वारा पुराना बस स्टेशन गाजियाबाद की गन्दी दीवारों को साफ करके सजाया गया।

यह कार्य सी. एस. दिशा फॉउंडेशन के द्वारा निशुल्क किया गया।

My Clean Police Station

माननीय एस.एस.पी. श्री वैभव कृष्ण जी के निर्देशानुसार सी. एस. दिशा फॉउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षा डा0 उदिता त्यागी के नेतृत्व में एस.एस.पी. ऑफिस गाजियाबाद में पर्यावरण बचाओ प्रदूषण हटाओ, नारी शक्ति और अमूर्त चित्रकारी की थीम पेंटिग के द्वारा एस.एस.पी. ऑफिस गाजियाबाद की गन्दी दीवारों को साफ करके सजाया गया।

यह कार्य सी. एस. दिशा फॉउंडेशन के द्वारा निशुल्क किया गया।

My Clean Shahjahanpur

शहीदों की नगरी शाहजहाँपुर में भी अब खूबसूरत पेंटिंग्स आपका स्वागत करेंगी । एक और शहर को खूबसूरत बनाने का मौका नगर विकास मंत्री सुरेश खन्ना जी एवं डी एम अमृत त्रिपाठी जी के द्वारा सी.एस. दिशा फॉउन्डेशन को दिया गया।

जिसके अन्तर्गत सी.एस. दिशा फॉउन्डेशन ने नगर के मुख्य चौराहों एवं मुख्य दीवारों को पर्यावरण सम्बन्धित थीम पेन्टिग के द्वारा सुसज्जित किया गया हैं।

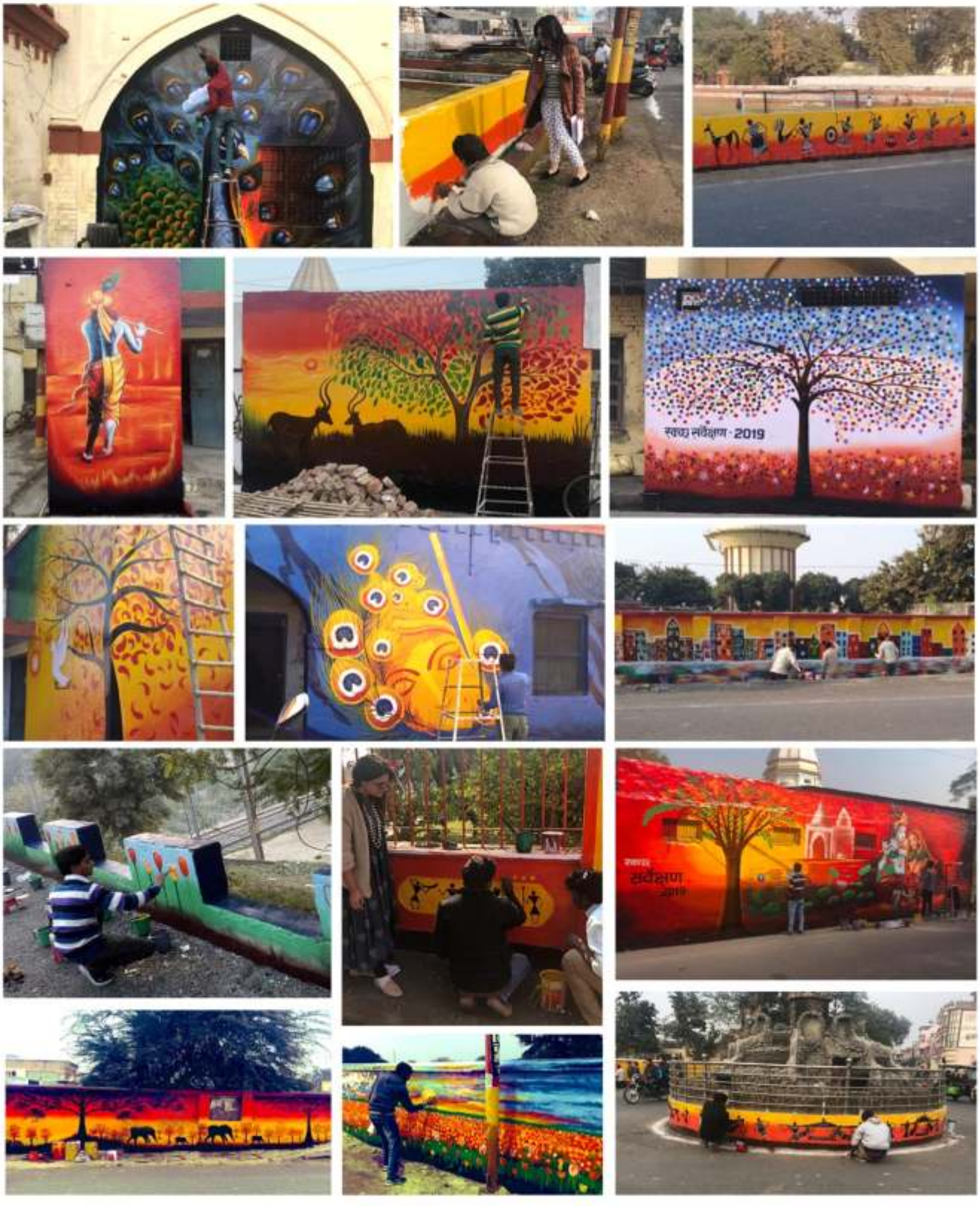

स्वच्छता अभियान प्रकल्प प्रथम प्रवास कार्यक्रम

2018 में पश्चिम उत्तर प्रदेश स्वच्छता अभियान प्रकल्प क्षेत्रिय संयोजक का दायित्व मिला, जिसमें 19 जिलों में प्रकल्प का संगठन तैयार किया। 20,000 के लगभग नए स्वच्छाग्रही बनाये और 30 के लगभग प्रवास किये। प्रकल्प की संरचना जिला स्तर, मण्डल स्तर एवं वार्ड स्तर तक की गई हैं।

गाजियाबाद को स्वच्छता के मॉडल के रूप में तैयार किया, जिसके चलते गाजियाबाद को उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

सहारनपुर जिला

गाजियाबाद महानगर

हापुड़ जिला

गौतम बुद्ध नगर

द्वितीय क्षेत्रीय बैठक गाजियाबाद

मुरादाबाद जिला

बागपत जिला

मुरादाबाद महानगर

प्रथम क्षेत्रीय बैठक गाजियाबाद

अमरोहा जिला

मुजफ्फरनगर जिला

लोनी गाजियाबाद

सहारनपुर महानगर

स्वच्छता अभियान प्रकल्प सदस्यता प्रवास कार्यक्रम

2019 में माननीय संगठन मंत्री श्री सुनील बंसल जी के निर्देशन में क्षेत्रीय सदस्यता प्रमुख, पश्चिम क्षेत्र डॉ0 प्रमेन्द्र जांगड़ा जी के नेतृत्व में सदस्यता अभियान 06 जुलाई 2019 से 20 अगस्त 2019 तक सभी 19 जिलों में चलाया गया, और 20 के लगभग प्रवास कियें। जिसमें लगभग 10 हजार सदस्य स्वच्छता अभियान प्रकल्प पश्चिम उत्तर प्रदेश के द्वारा बनाये गयें।

सी ब्लॉक पसौंडा गाजियाबाद

गाजियाबाद महानगर

सी ब्लॉक पसौंडा गाजियाबाद

मेरठ महानगर

अमरोहा जिला

गढ़ गंगा ब्रजघाट

मेरठ जिला

हापुड़ जिला

नोएँडा

गौतमबुद्ध नगर

मुरादाबाद महानगर

लोनी गाजियाबाद

बुलंदशहर जिला

मुजफ्फरनगर जिला

सहारनपुर महनगर

हापुड़ जिला

मुरादाबाद जिला

गढ़ गंगा ब्रजघाट

सहारनपुर जिला

रामपुर जिला

यस आई एम 18 मिलेनियल वोटर जागरूकता अभियान

2019 के चुनाव में संगठन मंत्री श्री अजय जी के निर्देशन में मिलेनियल वोटर जागरूकता अभियान 19 जिलों में चलाया गया, जिसमें लगभग एक लाख नव मतदाताओं से सीधा संपर्क किया गया. 9200 सर्वे फॉर्म भरे गए और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 19 जिलों में 2,000 से अधिक वीडियो साक्षात्कार किए गए और 28 के लगभग प्रवास कियें।

सहारनपुर महानगर

हापुड़ जिला

गुलमोहर गाजियाबाद

स्वर्ण जयन्ती पार्क गाजियाबाद

नन्दग्राम गाजियाबाद

बागपत जिला

बुलंदशहर जिला

मेरठ महानगर

इन्द्रापुरम गाजियाबाद

लोनी गाजियाबाद

शामली जिला

नोएँडा

मुरादाबाद महानगर

बागपत जिला

अमरोहा जिला

सहारनपुर महानगर

मुजफ्फरनगर जिला

गाजियाबाद महानगर

सोशल मीड़िया रिपोर्ट

पूरे साल भर स्वच्छता अभियान प्रकल्प के विभिन्न कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश में लगभग एक करोड़ के आस–पास सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर फेसबुक लाइव, वीडियो, ट्विटर, इंस्टाग्राम इत्यादि माध्यमों के द्वारा उत्तर प्रदेश के 20 करोड़ लोगों को टारगेट किया गया।

"45 दिन चलने वाले इस अभियान को सोशल मीडिया पर विभिन्न माध्यमों से लगभग 5M (50 लाख) लोगों ने देखा।"

पल्लवपुरम मंडल में चुनाव अधिकारी का दायित्व

2019 के संगठन चुनाव पर्व में पल्लवपुरम मण्डल चुनाव अधिकारी का दायित्व मिला, जिसमें कुल 18 प्रवास किये और इन सब प्रवास के माध्यम से सभी 71 बूथों पर 100 प्रतिशत चुनाव हुआ, और 100 प्रतिशत बूथ कमेटियॉ बनाई गई।

नवनिर्वाचित बूथ अध्यक्षों का स्वागत समारोह

पल्लवपुरम के सभी 71 बूथों के सभी नवनिर्वाचित बूथ अध्यक्षों का स्वागत समारोह मण्डल चुनाव अधिकारी डॉ0 उदिता त्यागी जी एवं मण्डल सह चुनाव अधिकारी श्री महेश बाली जी की ओर से किया गया।

Interaction with Electronic Media

राजनीतिक यात्रा

2006 से लगातार सात साल सामाजिक कार्यो को करने के बाद 2013 में जब देश श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के नेत्रत्व में बदलाव की और अग्रसर हो रहा था तब डॉ उदिता त्यागी ने इस बदलाव का हिस्सा बनते हुए भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली तथा 2013 से ही चुनावी प्रचार कार्यक्रमों में हिस्सा लिया जिसमें प्रमुख रूप से भारतीय जनता युवा मोर्चा का सदस्यता अभियान, भारतीय जनता पार्टी का रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम रहे. 8 मार्च 2014 को देश की प्रमुख 6 महिलाओं के साथ श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी के साथ चाय पर चर्चा कार्यक्रम में भाग लेने का न्यौता मिला जिसमें श्री मोदी जी के साथ वार्ता करने का अवसर प्राप्त हुआ. इसके बाद अप्रैल एवं मई 2014 में वाराणसी में घर–घर जा कर माननीय मोदी जी के लिए प्रचार अभियान में हिस्सा लिया.

माननीय मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही उनके द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत विभिन कार्यक्रमों का आयोजन किया तथा गाजियाबाद रेलवे स्टेशन को स्वच्छता अभियान के तहत एक म्यूजियम में बदलने का कार्य किया.

2017 में माननीय संगठन महामंत्री श्री सुनील बंसल जी के निर्देशन में नवीन मतदाता पंजीकरण अभियान की रूप रेखा तैयार की तथा अभियान को सुचारु रूप से चलाने के लिए उसके पायलट अभियान का संचालन किया जिसमें पांच दिन में लगभग 68000 नवीन मतदाताओं का पंजीकरण किया गया.

2018 में पश्चिम उत्तर प्रदेश स्वच्छता अभियान प्रकल्प क्षेत्रिय संयोजक का दायित्व मिला, जिसमें 19 जिलों में प्रकल्प का संगठन तैयार किया। गाजियाबाद को स्वच्छता के मॉडल के रूप में तैयार किया, जिसके चलते गाजियाबाद को उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

महात्मा गांधी जी के स्वच्छ भारत के सपने और अपनी पार्टी के हर घर कमल के स्वप्न को साकार करते हुए डॉ0 उदिता त्यागी ने इस प्रकल्प के माध्यम से 20,000 के करीब स्वच्छाग्रही बनाए जिन्होनें स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के साथ ही पार्टी को लोगों तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया और इस उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए उदिता ने 30 से अधिक प्रवास किए। इस प्रकल्प में वर्तमान में डॉ0 उदिता त्यागी के नेतृत्व में 1,000 से अधिक कार्यकर्ता विभिन्न पदों पर कार्य कर रहे हैं।

2019 के चुनाव में संगठन मंत्री श्री अजय जी के निर्देशन में मिलेनियल वोटर जागरूकता अभियान 19 जिलों में चलाया गया, जिसमें लगभग एक लाख नव मतदाताओं से सीधा संपर्क किया गया. 9200 सर्वे फॉर्म भरे गए और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 19 जिलों में 2,000 से अधिक साक्षात्कार किए गए और 28 के लगभग प्रवास कियें।

2019 में माननीय संगठन मंत्री श्री सुनील बंसल जी के निर्देशन में क्षेत्रीय सदस्यता प्रमुख, पश्चिम क्षेत्र डॉ0 प्रमेन्द्र जांगड़ा जी के नेतृत्व में सदस्यता अभियान 06 जुलाई 2019 से 20 अगस्त 2019 तक सभी 19 जिलों में चलाया गया, और 20 के लगभग प्रवास कियें। जिसमें लगभग 10 हजार सदस्य स्वच्छता अभियान प्रकल्प पश्चिम उत्तर प्रदेश के द्वारा बनाये गयें।

2019 के संगठन चुनाव पर्व में पल्लवपुरम मण्डल चुनाव अधिकारी का दायित्व मिला, जिसमें कुल 18 प्रवास किये और इन सब प्रवास के माध्यम से सभी 71 बूथों पर 100 प्रतिशत चुनाव हुआ, और 100 प्रतिशत बूथ कमेटियॉ बनाई गई।